

शाष्ट्रीय

- भूमि - दौड़त, सखा
- भूसिवन - विपति ; संकट ; आभान, तकलीफ, कष्ट
- दृश्योदार - चालाक
- अमीर - धनवान
- धनेह - अदंकार, गर्व
- नवाहुला - किसी कर्मचारी की मुकर्शान से हटाकर हूसरे स्थान पर नियुक्त किया जाना, बहुली स्थानांतरण



- भवद्व - सहपाठी
- रीकायन - जिंदा; बुराई; असंतोष हुई करने
के लिए सक्षमता प्राप्ति से किया गया।
- वाणिक - परिष्ठा और जीव के अंत में ही नी काला
परिष्ठा।
- ३ मीट - आशा, उआसरा; भर्तीसा, सहारा

- नूरीज = नायक, अमरित ।
- तीयार - जो काम में आने के लिए बिलकुल उपयुक्त हो गया हो ।
- नूरचैर्च - संकल्प करना ।
- हँसान - आशंका
- इनकार - अपनी कही हुई बात से गोछ हट जाना ।
- पछतावा - अफसोस अभुवित कार्य करने के बाहर होने वाली आनंदताजी ।
- परिपाम - फूल, फौली आदि ।
- धोषित - धोषणा हुई
- उत्तरवर्धिता - हँसान हो जाना, असाधारण घन की लंबाई, सुननी या देखनी में आने पर भव भी उठने वाला मात्र ।
- अक - संख्या
- अहसास - अनुभव
- असितु - बलिक; किंतु ।